मूल्य 1 रु.
वर्षः 14 - अंक : 103, मुंबई, गुरुवार, 13 जून, 2024 ■ RNI.NO. MAHHIN/2010/34146 ■ संपादकः दिलशाद एस. खान

दैनिक मुंबई हलचल

भारत सरकार द्वारा विज्ञापन हेतु मान्यता प्राप्त ®

अब हर सच होगा उजागर

DESI VILLAGE
RESTAURANT & CAFE
DUBAI

महाराष्ट्र में सीएम एकनाथ शिंदे के '400 पार' वाले बयान पर मचा घमासान

बीजेपी ने किया पलटवार

मुंबई हलचल/संवाददाता

मुंबई। लोकसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) द्वारा 400 पार के नारे पर महाराष्ट्र के सीएम एकनाथ शिंदे ने सवाल खड़ा किया था। एकनाथ शिंदे के बयान के बाद बीजेपी ने पलटवार किया है। सीएम एकनाथ शिंदे द्वारा 400 पार के नारे पर सवाल खड़ा करने के बाद बीजेपी का बयान आया है। बीजेपी का कहना है कि किसी भी चुनाव में लक्ष्य बड़ा रखना चाहिए, लेकिन विपक्ष ने दुष्प्रचार किया। बीजेपी नेता का कहना है कि लोकसभा चुनाव में हमारा 400 पार का जो नारा था, उसमे बेशक हम 400 पार हो जाते थे, लेकिन विपक्ष ने सविधान बदलने का भ्रम फैलाया। इस विषय को लेकर झूठी बातें लोगों के मन ने डाली। बीजेपी नेता का कहना है कि लेकिन कोई भी चुनाव हो, एक कर्मठ कार्यकर्ता के नाते लक्ष्य बड़ा रखना चाहिए।

(शेष पृष्ठ 3 पर)

मौत की इमारत

कुवैत अग्निकांड में 42 भारतीय की मौत

बिल्डिंग में ठूंसकर रखे गए थे 196 मजदूर, सुबह 4 बजे फैली आग और धुएं ने नींद में ही ले ली जान

मुंबई हलचल/संवाददाता

कुवैत। कुवैत की एक इमारत में बुधवार तड़के लगी भीषण आग में 50 से ज्यादा लोगों के मरने की खबर हैं। इनमें बड़ी संख्या भारतीयों की हैं। बताया जा रहा है कि मृतकों में 40 से अधिक भारत के नागरिक हैं। इस अग्निकांड को लेकर कुवैत से लेकर भारत में सनसनी मची हुई है। कुवैत सरकार ने इस घटना में लापरवाही को जिम्मेदार ठहराते हुए बिल्डिंग मालिक और अन्य लोगों की गिरफ्तारी के आदेश दिए हैं। सरकार ने इस आग को लालच का नतीजा बताया है। (शेष पृष्ठ 3 पर)

घायलों का कुवैत के पांच सरकारी अस्पतालों में चल रहा इलाज, अधिकतर लोग केरल और दक्षिण भारत के अन्य भागों से

केंद्रीय विदेश राज्य मंत्री कीर्ति वर्धन सिंह ने कहा कि कुछ शव इतने जल गए हैं कि उनकी पहचान नहीं हो पा रही है। वर्धन ने कहा, बाकी स्थिति तब स्पष्ट हो जाएगी जब हम वहां पहुंचेंगे। उन्होंने आगे कहा, अधिकतर लोग केरल और दक्षिण भारत के अन्य भागों से हैं तथा उनकी पहचान की प्रक्रिया चल रही है...

प्रधानमंत्री मोदी ने इस घटना पर जताया दुख

प्रधानमंत्री मोदी ने कुवैत शहर में आग दुर्घटना पर दुख व्यक्त करते हुए कहा कि उनकी संवेदनाएं घटना के पीड़ितों के परिवार और करीबी रिश्तेदारों के साथ हैं। केरल के मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन ने भी घटना पर दुख व्यक्त किया और विदेश मंत्री एस जयशंकर से बचाव कार्यों के लिए आवश्यक व्यवस्था सुनिश्चित करने का आग्रह किया।

कुवैत सरकार ने उठाए सवाल?

इस अग्निकांड के बाद कुवैत सरकार पूरी तरह से एक्शन मोड में आ गई है। आग लगने की घटना के बाद कुवैत के गृहमंत्री शेख फहद अल यूसुफ अल सबह घटनास्थल पर पहंचे और बिल्डिंग मालिक की गिरफ्तारी का आदेश दिया। उन्होंने कहा कि इस मामले में आवासीय कानून का उल्लंघन हुआ है। नियमों का उल्लंघन करके विदेशी मजदूरों को अत्यधिक असुरक्षित स्थितियों में रहने को मजबूर किया जा रहा था ताकि कंपनी मालिक खर्चों में कटौती कर सकें।

बिल्डिंग का मालिक है मलयाली

कुवैत की जिस इमारत में आग लगी है। वह मलयाली कारोबारी केजी अब्राहम नाम के शख्स की है। केजी अब्राहम केरल के तिरुवल्ला के बिजनेसमैन हैं, जिनकी कंपनी 1977 से कुवैत की ऑयल एंड इंटस्ट्रीज का हिस्सा है। मारे गए मजदूर इसी कंपनी में काम करते थे।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

हमारी बात

दिखावटी बदलाव काफी नहीं

अग्निपथ योजना रिटायर्ड सैनिकों की पेंशन पर बढ़ते खर्च का बोझ घटाने के लिए केंद्र ने शुरू किया था। ओआरओपी योजना लागू होने के बाद से पेंशन खर्च में तीव्र गति से वृद्धि हुई है। इस समस्या का हल क्या है?

मीडिया रिपोर्टों के मुताबिक भारतीय सेना ने अग्निपथ योजना को बेहतर बनाने के कई सुझाव सरकार को भेजे हैं। सूत्रों के हवाले से ये खबर उस समय आई है, जब केंद्र में नई सरकार के गठन के दौरान ऐसी चर्चा गर्म थी कि भाजपा के कुछ सहयोगी दल इस योजना की समीक्षा चाहते हैं। अब इस खबर के जरिए बताया गया है कि सेना ऐसी समीक्षा पहले ही कर चुकी है। सेना ने जो सुझाव दिए हैं, उनमें एक यह है कि चार साल की नौकरी के बाद सेना में नियमित रूप से भर्ती किए जाने वाले अग्निवीरों की संख्या 25 से बढ़ा कर 60-70 प्रतिशत कर दी जाए। अग्निवीरों का कार्यकाल चार साल से बढ़ा कर 7-8 वर्ष करने का सुझाव भी सेना ने दिया है। साथ ही अग्निवीर के रूप में भर्ती के लिए न्यूनतम उम्र बढ़ा कर 23 साल करने और सेवा के दौरान घायल या जख्मी होने पर उन्हें दी जाने वाली सहायता राशि में वृद्धि की सिफारिश की गई है। प्रश्न है कि क्या ये सुझाव सरकार मानेगी? अग्निपथ योजना के बारे में आम समझ है कि रिटायर्ड सैनिकों की पेंशन पर बढ़ते खर्च का बोझ घटाने के लिए केंद्र ने इसे शुरू किया था। वन रैंक वन पेंशन (ओआरओपी) योजना लागू होने के बाद से पेंशन खर्च में तीव्र गति से वृद्धि हुई है। पिछले साल यह खर्च सैनिकों को दिए जाने वाले वेतन से भी ज्यादा हो गया। इस तरह रक्षा बजट का और भी ज्यादा हिस्सा अब वेतन, भत्तों, पेंशन और नियमित संचालन मद पर खर्च होने लगा है। नतीजतन, पूंजीगत निवेश के लिए बहुत कम रकम बचती है। भारत सरकार की राजकोषीय स्थिति ऐसी नहीं है कि वह समग्र रक्षा बजट में बहुत बड़ी बढ़ोतरी कर सके। तो अग्निपथ स्कीम लाया गया। इस योजना की वाजिब आलोचनाएं मौजूद हैं। मगर समाधान क्या है? अब ओआरओपी तो वापस नहीं लिया जा सकता। ऐसे में अग्निपथ योजना में कुछ दिखावटी बदलाव कर आलोचनाओं की धार कम करने की कोशिश करना ही एकमात्र विकल्प बचता है। लेकिन ऐसे परिवर्तन पर्याप्त नहीं होंगे। उनसे खड़ी हुई बुनियादी समस्याएं हल नहीं होंगी।

सांसद दीदी सावित्री ठाकुर को केंद्र में महिला एवम बाल विकास राज्य मंत्री बनाए जाने पर क्षेत्र में हर्ष

मुंबई हलचल/संवाददाता

दिल्ली। समाजसेवी योद्धा भाजपा नेता राजेंद्र श्री माली उमरबन और भाजपा नेता जाकिर कुरेशी धरमपुरी ने दीदी सावित्री ठाकुर को जीताने के बने सारथी और जीत ऐतिहासिक धार महू मैं दिलवाकर मोदी सरकार मैं केंद्रीय महिला एवम बाल विकास मंत्री राज्य मंत्री पद को सुशोभित करवाने मैं अहम भूमिका निभाई। धार मऊ लोकसभा में दो लाख से अधिक जीत दिलवाने में राजेंद्र श्रीमाली और जाकिर कुरैशी ने हर गांव हर फलिया में मतदाताओं से संपर्क किया उनकी पूरी टीम दिन रात एक कर दीदी सावित्री ठाकुर को सांसद बनने के लिए ऐतिहासिक दिन

रात एक कर मेहनत की ओर।विजय हुवे। मनावर उमरबन बाकानेर धरमपुरी धामनोद सहित पुरी लोकसभा क्षेत्र में भाजपा कार्यकर्ताओं ने रैली निकालकर मिठाइयां बांटकर फटाके फुलझड़ी जलाकर उत्साह के साथ खुशी मनाएं। अब धार जिले का होगा विकास रेल भी आएगी केंद्रीय विद्यालय और नवोदय विद्यालय भी खुलेंगे। दीदी सावित्री ठाकुर ने अपने करियर की शुरूआत एसटीडी पीसीओ फोटोकॉपी से की थी जिला पंचायत अध्यक्ष बनी सांसद बनी और अब मोदी सरकार में दोबारा सांसद बनाकर केंद्र राज्य मंत्री बनी। प्रेस क्लब ऑफ वर्किंग जर्नलिस्ट के राष्ट्रीय सदस्य सैयद रिजवान अली पत्रकार ने धार महू लोकसभा से सांसद दीदी सावित्री ठाकुर को केंद्रीय राज्य मंत्री बनने पर बधाई शुभकामनाएं दी। इस अवसर पर मध्य प्रदेश के पूर्व गृह राज्य मंत्री जगदीश मूवेल वरिष्ठ पत्रकार नौशाद कुरेशी भोपाल मास्टर सैयद हुसैन अली मौजूद रहे।

चिंचनी वांगी ग्रामीण पुलिस स्टेशन के सीमा गणेश खिंड वाजेगाव में अज्ञात महिला का शव मिला

मुंबई हलचल/संवाददाता

सांगली। चिंचणी वांगी ग्रामीण पुलिस स्टेशन से मिली जानकारी अनुसार जिला सांगली, तेहसील कडेगांव, के ग्राम चिंचणी वाजीगाव से लगे गणेश खिंड से लगे वाजेगाव में मिला, फिर्यादी वाजेगाव के निवासी महेश वसंत यादव उम्र ३६ वर्ष के खेत में गट नंबर १३३९ में पास गणेश खिंड में एक अज्ञात महिला का शव मिला है। जिस की जांच पड़ताल चिंचणी वांगी

पुलिस स्टेशन के ए.पी.आई. अनिल जाधव एवं पी. एस.आई. शेलार जी कर रहे है, सर्च वारंट में शव के बारे में विस्तृत जानकारी शव पूरी तरह से खराब सड़ी हालत में थी, अज्ञात महीला की शरीर पे सफेद रंग की साड़ी उस साड़ी पे नीले रंग के फूल और गुलाबी रंग का पेटीकोट है, शव की अभी तक पहचान नहीं हो सकी है, शव का पोस्टमार्टम पी. एम. नंबर ०१/ २०२४ अनुसार किया गया है। आगे की जाच पडताल शुरू है।

चुनाव नतीजे की अहम बातें

मुंबई हलचल/संवाददाता

लोकसभा चुनाव का विश्लेषण दर्जनों निष्कर्षों के आधार पर हो रहा है और दर्जनों पहलुओं से इसकी व्याख्या हो रही है। इसलिए शुरू में ही यह स्पष्ट कर देना जरूरी है ये जिन तीन अहम बातों का इस लेख में जिक्र किया जा रहा है वह तीन बातें अंतिम नहीं हैं और इस तरह की कई तीन-तीन बातें हो सकती हैं, जिनके आधार पर इस बार के लोकसभा चुनाव के नतीजों का विश्लेषण हो सकता है। सो, इन तीन बातों को उन अनेक बातों में ही माना जाए और इनके नजरिए से पूरे देश के नतीजों को समझने का प्रयास किया जाए। तीन में सबसे पहली बात है अयोध्या यानी फैजाबाद लोकसभा सीट पर भाजपा का हार जाना। दूसरी बात है दक्षिण भारत में भाजपा के वोट में बढ़ोतरी और तीसरी बात है पंजाब और जम्मू कश्मीर में कट्टरपंथी, अलगाववादियों का चुनाव जीतना। विस्तार से इनकी व्याख्या में पूरे देश की राजनीतिक प्रवृत्ति और मतदाता व्यवहार इनके दायरे में दिखाई देगा। पहली बात, अयोध्या यानी फैजाबाद लोकसभा सीट पर भाजपा का हार जाना। यह सिर्फ एक सीट का फैसला नहीं है। ऐसा नहीं है कि कई बार से चुनाव जीत रहे भाजपा के लल्लू सिंह को समाजवादी पार्टी ने एक प्रयोग के जरिए हरा दिया। प्रयोग यह था कि अखिलेश यादव ने सामान्य सीट से एक दलित उम्मीदवार उतार दिया,

जिसने लल्लू सिंह को हरा दिया। इस बात की व्याख्या इस नजरिए से भी संपूर्ण नहीं होगी कि लल्लू सिंह ने संविधान बदलने की बात कही थी और इसलिए वे हार गए। एक सीट के हिसाब से देखेंगे तो यह दोनों बातें सही हैं। लेकिन इसे एक परिघटना के तौर पर देखने की जरुरत है। परिघटना यह है कि इस साल 22 जनवरी को अयोध्या में भव्य राममंदिर के भव्यतम उद्घाटन समारोह की सारी चमक दमक चुनाव आते आते समाप्त हो गई। लोकसभा चुनाव में देश के किसी भी हिस्से में राममंदिर का मुद्दा सुनाई नहीं दिया। लोगों के दिल में राम बसे हैं लेकिन इस बात को उन्होंने दिमाग पर हावी नहीं होने दिया। फैजाबाद की सीट प्रतीक है कि देश में किस तरह से लोगों ने रोजमर्रा के जीवन से जुड़े बुनियादी मुद्दों को आगे रखा, संविधान और आरक्षण पर खतरे की बात को ज्यादा तरजीह दी और राममंदिर में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा को भाजपा के चुनावी फायदे के लिए इस्तेमाल नहीं होने दिया। यह इस तरह के मुद्दों प्रति आम मतदाता के थकान को प्रतीकित करता है और साथ ही उनकी राजनीतिक परिपक्वता को भी दिखाता है। आम मतदाताओं के मुकाबले भाजपा के समर्थकों या प्रधानमंत्री के भक्तों या सरकारी दल के आईटी सेल ने कम परिपक्वता दिखाई है और अयोध्या सहित देश के तमाम हिंदुओं को गद्दार ठहराने की मुहिम छेड़ दी। ऐसा इस हकीकत के बावजूद हुआ कि भाजपा को साढ़े 23 करोड़ से ज्यादा हिंदुओं ने ही वोट दिया है। सो, फैजाबाद का चुनाव नतीजा इस बात का संकेत है कि देश के लोगों को धार्मिक मुद्दे बहुत आकर्षित नहीं कर रहे हैं और वे पूरे हो चुके एजेंडे को भूल कर आगे बढ़ने को तैयार हैं। इससे यह भी पता चलता है कि हिंदू या रामभक्त होने और किसी व्यक्ति, पार्टी या सरकार का भक्त होने में फर्क होता है। दूसरी बात, दक्षिण भारत में भाजपा का विस्तार एक बड़ी परिघटना है। वह भाजपा के लिए बिल्कुल अनजाना क्षेत्र है। कर्नाटक को छोड़ कर किसी दूसरे राज्य में भाजपा अपना आधार बहुत मजबूत नहीं कर पाई है। लेकिन इस बार उसने कई राज्यों में मजबूत दस्तक दी है। तमिलनाडु में भाजपा को इस बार 11.24 फीसदी वोट मिले हैं।

मालिक,मुद्रक,प्रकाशक-**दिलशाद एस खान** द्वारा एस आर प्रिंटिंग प्रेस,मोहन अर्जुन कंपाउंड, वैशाली नगर दहिसर (पूर्व),मुंबई-68 से मुद्रित व मुंबई हलचल,साईं मंगल को ऑ हॉ सो बी-2-301,इस्माइल बाग नियर मालाड शॉपिंग सेंटर, एस वी रोड,मालाड (प) मुंबई से प्रकाशित RNI NO MAHHIN/2010/34146, फोन:**9619102478 /9821238815**
email: mumbaihalchal@gmail com संपादक: **दिलशाद एस खान,** समाचार पत्र में छपे किसी भी समाचार से संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है। किसी भी विवाद का निपटारा न्याय क्षेत्र मुंबई होगा।

अलग-अलग स्थानों पर 2 लाख का पान मसाला, गुटखे का स्टॉक जब्त

शहर पुलिस स्टेशन में हुआ मामला दर्ज

मुंबई हलचल/संवाददाता

जलगांव। जिले में प्रतिबंधित गुटखा की तस्करी थमने का नाम नही ले रही है। शहर से 2 लाख 3 हजार 410 रुपए का पान मसाला, तंबाकू, सुगंधित सुपारी का हानिकारक स्टॉक जब्त किया गया। इस कार्रवाई में दो दुकानों को सील कर दिया गया। उक्त कार्रवाई सोमवार 10 जून को शहर के पोलानपेठे के तिजोरी गली में की गई। इस मामले में दोनों दुकानदारों के खिलाफ नगर थाने में मामला दर्ज कराया गया है। खाद्य एवं औषधि प्रशासन विभाग को सूचना मिली कि ट्रेजरी लेन में प्रतिबंधित

पान मसाला, तंबाकू, सुगंधित सुपारी बेची जा रही है। इसी के तहत टीम मीरा ट्रेडर्स दुकान पर पहुंची। वहां दुकान में पान मसाला, तंबाकू, सुपारी के कुल 792 पैकेट मिले। जिसकी कीमत 1 लाख 4 हजार 535 बताई जा रही है। सैंपल लेकर स्टॉक जब्त कर लिया गया है। किया गया साथ ही टीम ने इसी क्षेत्र में दुकान आशीर्वाद ट्रेडर्स पर भी कार्रवाई की। इस दुकान से कुल 757 पैकेट पानमसाला, तंबाकू, सुपारी और 19 पेटी तंबाकू मिली। इसकी कीमत 98 हजार 875 रुपये है। इस स्टॉक का भी नमूना लिया गया। साथ ही इन दोनों दुकानों को सील कर दिया गया है। इस मामले में खाद्य सुरक्षा अधिकारी शरद पवार ने नगर थाने में शिकायत दर्ज कराई है। मीरा ट्रेडर्स के मालिक संतोष हुकूमतमल राजपाल (रेस्ट. सिंधी कॉलोनी) और आशीर्वाद ट्रेडर्स के मालिक रवि चंद्रभान चिमनानी (रेस्ट. गणपतिनगर) के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। आगे की जांच पुलिस इंस्पेक्टर अनिल भवारी कर रहे हैं।

दुष्कर्म के बाद नाबालिग लड़की की निर्मम हत्या

केले के बगीचे में खून से लथपथ मिला शव

जलगाँव। कस्बे में एक छह साल की बच्ची के साथ पहले दरिंदगी फिर हत्या की दिल दहला देने वाली घटना सामने सामने आई है। जिससे इलाके में सनसनी फैल गई है। प्राप्त जानकारी के मुताबिक मंगलवार 11 जून की शाम को चिंचखेड़ा शिवारा में छह साल की बच्ची को चॉकलेट का लालच देकर उसके साथ दुष्कर्म कर हत्या करने की दिल दहला देने वाली घटना को अंजाम दिया गया। जामनेर तहसील के एक गांव में रहने वाला एक आदिवासी परिवार मजदूरी करके अपनी जीविका चलाता है। मंगलवार को जब उक्त बालिका के माता-पिता बाहर गए हुए थे तो बालिका घर पर अकेली थी। इसका फायदा उठाकर आरोपी सुभाष

इमाजी भील (उम्र 35 वर्ष, चिंचखेड़ा) ने उक्त बालिका को चॉकलेट के बहाने बहला-फुसलाकर घर से बाहर केले के बागान में ले गया। उसके साथ दरिन्दे ने पहले बच्ची के साथ दुष्कर्म किया गया और बाद में बेरहमी से हत्या कर दी गई। उधर, जब लड़की के माता-पिता काम से घर लौटे तो उन्हें लड़की घर में नहीं मिली। उन्होंने लड़की की तलाश शुरू कर दी। इसी दौरान गांव के बाहर केले के बगीचे में खून से लथपथ एक बच्ची की लाश मिली। बीती रात 11 बजे घटना सामने आने के बाद पुलिस घटना की जांच में जुट गई है। उक्त दिल दहला देने वाली घटना को लेकर नागरिकों ने आरोपियों को जल्द से जल्द ढूंढने और उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई करने की मांग की है। उन्होंने कहा कि ऐसे दरिन्दे को सीधे फांसी की सजा होनी चाहिए।

पाक के साथ क्रिकेट मैच नहीं खेले भारत...

आतंकी घटनाओं पर उद्धव की पार्टी ने पीएम मोदी को लिखा पत्र

मुंबई। शिवसेना-यूबीटीने जम्मू-कश्मीर में हुई आतंकी घटनाओं को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र लिखा है और टी-20 वर्ल्ड कप में भारत को पाकिस्तान के साथ नहीं खेलने की अपील की है। शिवसेना-यूबीटी नेता आनंद दुबे ने कहा कि हमने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृहमंत्री अमित शाह, खेल मंत्री मनसुख मांडविया, बीसीसीआई अध्यक्ष को एक चिट्ठी लिखी है। उन्होंने कहा कि भारत को पाकिस्तान के साथ क्रिकेट मैच नहीं खेलना चाहिए। एक तरफ पाकिस्तान हमारे लोगों की जान ले रहा है, दूसरी तरफ हम उसके साथ क्रिकेट खेलें ये उचित नहीं है। जब तक पाकिस्तान अपने घुटनों पर नहीं आ जाता तब तक उनसे हर संबंध तोड़ देना चाहिए। आनंद दुबे ने चिट्ठी में लिखा, आज मैं आपको बड़े दुखी मन के साथ लिख रहा हूं क्योंकि जम्मू-कश्मीर राज्य के रियासी, डोडा और अब कठुआ में हाल में हुई दुखद घटनाओं ने हमारे देश को झकझोर कर रख दिया है, जहां आतंकवादी घटनाओं के कारण निर्दोष लोगों की जान चली गई। यह भी दुखद है कि हमारा मजबूत खुफिया तंत्र होने के बावजूद, हिंसा के ऐसे जघन्य कृत्य हो रहे हैं। पाकिस्तान की ऐसी नापाक गतिविधियों में लगातार संलिप्तता एक गंभीर चिंता का विषय बनी हुई है। उन्होंने कहा, इस नाजुक स्थिति में हम देश के साथ मजबूती से खड़े हैं और इस स्थिति का मुकाबला करने के लिए सरकार के साथ हैं। इन घटनाओं को ध्यान में रखते हुए मेरा आपसे अनुरोध है कि विश्वकप क्रिकेट टी-20 में आगामी भारत-पाकिस्तान मैच को इस हिंसा के विरोध के रूप में रद्द कर दिया जाए। हमारा मानना है कि हमारे लोगों की सुरक्षा किसी भी खेल आयोजन से महत्वपूर्ण है। मुझे उम्मीद है कि आप इस मामले का कड़ा संज्ञान लेंगे।

आतंकियों ने लगातार किए तीन हमले

दरअसल, बीते रविवार को जम्मू-कश्मीर के रियासी में शिव खोड़ी से लौट रही तीर्थ यात्री बस पर आतंकियों ने हमला कर दिया था। दहशतगर्दों ने कई राउंड फायरिंग की थी, जिसमें एक गोली बस ड्राइवर को लगी थी और बस 200 फीट गहरी खाई में गिर गई थी। इस हादसे में 9 तीर्थ यात्रियों की मौत हो गई थी और 40 घायल हुए थे।

(पृष्ठ 1 का समाचार)

कुवैत अग्निकांड में 42 भारतीय की मौत

दक्षिणी कुवैत के मंगाफ में एनबीटीसी ग्रुप ने इस बिल्डिंग को किराए पर लिया था। कंपनी ने अपने यहां काम करने वाले मजदूरों का इस बिल्डिंग में रहने का इंतजाम किया था। इस बिल्डिंग में कुल 196 लोग रह रहे थे, जो कि क्षमता से बहुत अधिक था। कई रिपोर्ट्स में बताया गया है कि इन मजदूरों को ठूंस-ठूंसकर इस बिल्डिंग में रहने को मजबूर किया जा रहा था। ये आग बुधवार तड़के चार बजे के आसपास लगी। छह मंजिला इस इमारत के किचन में आग लगी, जो पूरी बिल्डिंग में फैल गई। यहां रहने वाले अधिकतर मजदूर नाइट शिफ्ट करके लौटे थे और सो रहे थे। आग लगने की वजह से कई लोगों को संभलने तक का मौका नहीं मिला। तंग जगह होने की वजह से कई लोगों को भागने तक का मौका नहीं मिला। वहीं, कुछ लोगों ने जान बचाने के लिए अपनी-अपनी मंजिलों से छलांग भी लगाई। गृहमंत्री का कहना है कि अधिकतर मौतें दम घुटने की वजह से हुई हैं। वहीं, कुवैत के अमीर मिशाल अल अहमद अल जबेर अल सबाह ने घटना की जांच के आदेश दिए हैं। इस अग्निकांड में एक बड़ी लापरवाही ये भी सामने आई है कि पूरी बिल्डिंग में एंट्री गेट एक ही था। इमारत की छत पूरी तरह से बंद थी, जिस वजह से छत के रास्ते भी मजदूर खुद को बचाने में असफल रहे।

महाराष्ट्र में सीएम एकनाथ शिंदे के '400 पार' वाले बयान पर मचा घमासान

हमने बड़ा लक्ष्य रखा भी था वो लक्ष्य पूरा हो जाता अगर विपक्ष ने लोगों को भ्रमित करने का काम नहीं किया होता। बता दें कि महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने हाल ही में संपन्न चुनावों में राज्य में भाजपा-शिवसेना गठबंधन द्वारा सीटों के नुकसान के लिए भाजपा के 400 पार के आह्वान को जिम्मेदार ठहराया है।उन्होंने कहा कि विपक्ष ने 400 पार नारे को सफलतापूर्वक हथियार बनाया और इसे भाजपा और उसके सहयोगियों के खिलाफ इस्तेमाल किया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार के बारे में बोलते हुए एकनाथ शिंदे ने कहा कि उन्होंने 10 वर्षों में पिछले सरकारों द्वारा 50-60 वर्षों में लिए गए निर्णयों से अधिक निर्णय लिए, लेकिन वे व्यर्थ गए क्योंकि हमें महाराष्ट्र में भी हार का सामना करना पड़ा। विपक्ष ने दावा किया कि संविधान में बदलाव किया जाएगा और आरक्षण को खत्म कर दिया जाएगा। ऐसा कुछ नहीं हुआ, लेकिन विपक्ष ने 400 पार के नारे को पकड़ लिया और हम पर हमला किया। उस नारे ने हमें चोट पहुंचाई। शिंदे ने आगे कहा कि उन्होंने हमारे खिलाफ अफवाहें फैलाईं, जिससे हमें कुछ सीटों का नुकसान हुआ, लेकिन पीएम मोदी ने अपना जीवन राष्ट्र के लिए समर्पित कर दिया है। उन्होंने 10 वर्षों में एक दिन की भी छुट्टी नहीं ली है।

ऑनलाइन मंगाई थी आइसक्रीम, साथ में आयी हाथ की उंगली! मुंबई की कंपनी के खिलाफ थाने पहुंची ग्राहक

मुंबई। हम सभी को आइसक्रीम खाना पसंद है, जिसे हम मन करे तो ऑनलाइन ऑर्डर से भी मंगवाते हैं । लेकिन मुंबई के मलाड इलाके में रहना वाली एक महिला उस समय सकते में आ गई, जब उनके ऑनलाइन ऑर्डर की गई आइसक्रीम कोन के अंदर एक इंसानी उंगली का टुकड़ा मिला। महिला ने यम्मो आइसक्रीम से ऑनलाइन ऑर्डर किया था। इस कांड के बाद उक्त महिला मलाड पुलिस स्टेशन पहुंची। मामले पर अब मलाड पुलिस ने जानकारी दी कि,ऑनलाइन ऑर्डर की गई आइसक्रीम कोन के अंदर एक महिला को मानव उंगली का टुकड़ा मिला है। जिसके बाद महिला मलाड पुलिस स्टेशन पहुंची। पुलिस ने यम्मो आइसक्रीम कंपनी के खिलाफ मामला दर्ज कर आइसक्रीम को जांच के लिए भेज दिया है। इसके साथ ही पुलिस ने आइसक्रीम में मिले मानव अंग को जांच के लिए फोरेंसिक लैब के पास भेज दिया है। दरअसल ओरलेम निवासी ब्रेंडन सेराओ ने बीते बुधवार को एक ऑनलाइन डिलीवरी ऐप के जरिए कोन आइसक्रीम का ऑर्डर दिया। लेकिन उन्हें इस बात का अंदाजा नहीं था कि उन्हें बड़ा झटका लगेगा । महिला ने बताया कि आइसक्रीम के अंदर करीब 2 सेमी लंबा इंसानी उंगली का टुकड़ा था। उनकी बहन ऑनलाइन डिलीवरी ऐप के जरिए किराने का सामान ऑर्डर कर रही थी, तभी उन्होंने बहन से 3 बटरस्कॉच कोन आइसक्रीम को ऑर्डर करने के लिए कहा। जब आइसक्रीम डिलीवर हुई तो उन्होंने कोन खोला और उसमें उंगली का टुकड़ा निकला। महिला का दावा है कि उसने आधी से ज्यादा आइसक्रीम खा भी ली थी, पर जैसे ही उसको लगा की कुछ तो टेस्ट में गड़बड़ है, उसने जब आइसक्रीम में देखा तो उसमें एक इंसानी कटी हुई उंगली दिखी। मामले पर मलाड पुलिस के एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि जिस जगह पर आइसक्रीम बनाई और पैक की गई, उसकी भी तलाशी ली जाएगी। पुलिस ने यम्मो आइसक्रीम कंपनी के खिलाफ मामला दर्ज कर आइसक्रीम को जांच के लिए भेज दिया है। इसके साथ ही पुलिस ने आइसक्रीम में मिले इंसानी उंगली का टुकड़ा जांच के लिए फोरेंसिक लैब के पास भेज दिया है।

2 साल के बच्चे ने बनाई ऐसी पेंटिंग, 6 लाख रुपए में बिकी

मुंबई हलचल / म्यूनिख

प्रतिभा उम्र की मोहताज नहीं होती, ये बात एक बार फिर साबित हुई है। 2 साल का एक बच्चा कला की दुनिया में धूम मचा रहा है। इतनी छोटी उम्र में उसने ऐसी पेंटिंग बनाई दी, जो 7000 डॉलर यानी तकरीबन 6 लाख रुपए में बिकी है। खास बात, इस पेंटिंग में उसने सिर्फ जानवरों को दिखाया है। दुनियाभर में उसके हुनर की तारीफ हो रही है। सोशल मीडिया में लोग उसे शुभकामनाएं दे रहे हैं।

एक रिपोर्ट के अनुसार, यह बच्चा जर्मनी का रहने वाला है और इसका नाम लॉरेंट श्वार्ज है। अपनी जीवंत पेंटिंग के लिए यह पूरी दुनिया में मशहूर हो रहा है। लॉरेंट की मां लिसा ने बताया कि एक बार हम छुट्टियों पर घूमने गए थे। वहां एक रिसॉर्ट में रुके हुए थे। तभी लॉरेंट में रंगों के प्रति एक खास आकर्षण देखा। घर आते ही हमने उसे एक स्टूडियो बनाकर दिया, जहां उसने अपनी कला का प्रदर्शन किया। हम देखकर चौंक गए थे कि इतनी छोटी उम्र में उसे रंगों की इतनी गहरी समझ है।

जानवरों की पेंटिंग बनाने का खूब शौक

लॉरेंट को जानवरों की पेंटिंग बनाने का खूब शौक है। जो पेंटिंग धूम मचा रही है, उसमें उसके पसंदीदा जानवर हाथी, डायनासोर और घोड़े नजर आ रहे हैं। लिसा ने बताया कि उसे चमकीले रंग बेहद पसंद हैं। उबाऊ रंगों के प्रति वह उदासीन नजर आता है। बेटे का हुनर देखकर लिसा ने उसके काम को प्रदर्शित करने के लिए एक इंस्टाग्राम अकाउंट बनाया, जिसे खूब पॉपुलैरिटी मिली। वहीं से लॉरेंट की पेंटिंग ऑनलाइन बेचने का आइडिया आया।

हुनर देखकर दुनियाभर के कलाप्रेमी दंग

बड़ी-बड़ी जगहों पर लग रही प्रदर्शनी

अप्रैल में म्यूनिख शहर में सबसे बड़ा आर्ट फेयर लगा। जिसमें लॉरेंट की पेंटिंग की खूब तारीफ की गई। हजारों लोग उसकी पेंटिंग को देखने के लिए आए। यहीं से पूरी दुनिया के आर्टप्रेमी उसे जानने लगे। जल्द ही उसके पेंटिंग की एक प्रदर्शनी न्यूयॉर्क सिटी गैलरी में प्रदर्शित होने वाली है। आमतौर पर इस जगह दुनिया के मशहूर लोगों की पेंटिंग्स की प्रदर्शनी लगाई जाती है। लिसा ने कहा, यह पूरी तरह उस पर निर्भर करता है कि उसे कब और क्या पेंट करना है। हम उसे कोई आइडिया नहीं देते। लॉरेंट एक उभरता हुआ सितारा है, लेकिन वह अकेला नहीं है। घाना के ऐस-लियाम नाना सैम अंक्राह ने हाल ही में सबसे कम उम्र के कलाकार का गिनीज बुक रिकॉर्ड अपने नाम किया है। वह केवल 6 महीने की उम्र से पेंटिंग कर रहा है।

मलप्पुरम में बोले राहुल

मुझे भगवान गाइड नहीं करते, कहां का सांसद रहूं...

मुंबई हलचल / मलप्पुरम

कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने केरल के मलप्पुरम में पीएम मोदी पर तंज कसा है। उन्होंने कहा कि मैं इस दुविधा में हूं कि वायनाड या रायबरेली किससे सांसद बना रहूं? उन्हें भगवान से कोई निर्देश नहीं मिलता कि क्या करना है, जैसा कि प्रधानमंत्री करते हैं। मेरे पास इस तरह की कोई भी सुविधा नहीं है और भगवान मुझे कोई आदेश नहीं देते हैं।

पीएम मोदी ने हाल ही में एक इंटरव्यू के दौरान बताया कि वे थकते क्यों नहीं हैं। पीएम मोदी ने कहा कि पहले जब तक मां जिंदा थी मुझे लगता था की शायद जैविक रूप से मुझे जन्म दिया गया है। मां के जाने के बाद सारे अनुभव को मैं जोड़ कर देखता हूं तो मैं कन्विंस हो चूका हूं कि परमात्मा ने मुझे भेजा है।

एयर पोर्ट और पावर प्लांट को अडाणी को देने का आदेश दिया

पीएम मोदी पर कटाक्ष करते हुए कहा राहुल ने कहा कि भगवान ने प्रधानमंत्री को देश के एयरपोर्ट और पावर प्लांट को अडाणी को देने का आदेश दिया है। उन्होंने कहा कि भगवान मुझे कोई आदेश नहीं देते हैं। मेरे भगवीन मेरे देश के गरीब लोग हैं। इसलिए यह सब मेरे लिए आसान है। मेरे भगवान वायनाड के लोग हैं और जब मैं लोगों से बात करता हूं तो मेरे भगवान मुझे बताते हैं कि क्या करना है। राहुल ने यह भी कहा कि लोकसभा इलेक्शन की लड़ाई संविधान की रक्षा के लिए है और उस लड़ाई में नफरत को प्यार ने हरा दिया।

क्या आप जानते हैं उन रेलवे स्टेशनों के नाम

भारत से विदेश जाने वाली ये हैं 7 ट्रेनें, फ्लाइट की जरूरत ही नहीं

नई दिल्ली। हर कोई सोचता है कि विदेश जाने के लिए उसे हवाई जहाज पर चढ़ना होगा। हालांकि, हमारे देश से कई पड़ोसी देशों में जाने के लिए हवाई जहाज के अलावा ट्रेन भी एक माध्यम है। क्या आप जानते हैं कि देश में 7 ऐसे रेलवे स्टेशन हैं, जहां से ट्रेनें सीधे विदेशों तक जाती हैं। आइए देखते हैं कौन से हैं वो स्टेशन। ज़रूरी नहीं है कि विदेश जाने के लिए आपको ढेर सारे पैसे खर्च करने पड़ें और फ्लाइट का टिकट अरेंज करना पड़े। अपने देश में ट्रेन के कुछ ऐसे स्टेशन हैं, जो आपको सीधा विदेश पहुंचा सकते हैं।

हल्दीबाड़ी

ये पश्चिम बंगाल के न्यू जलपाई गुड़ी रेलवे स्टेशन से एक अलग स्टेशन है। यह बांग्लादेश से सिर्फ 4.5 किमी दूर है। यहां से आप आसानी से बांग्लादेश जा सकते हैं।

अटारी

इन सभी स्टेशनों में से यह पंजाब का सबसे प्रसिद्ध स्टेशन है। यह उत्तर रेलवे का अंतिम स्टेशन है। यहां से समझौता एक्सप्रेस पाकिस्तान जाती रही है। यह ट्रेन सप्ताह में 2 दिन चलती है। हालांकि, अलग-अलग वजहों से समझौता एक्सप्रेस का संचालन रद्द होता आया है। साल 2019 से ये ट्रेन भारत से पाकिस्तान नहीं गई, क्योंकि पाकिस्तान की ओर से इसे रद्द किया गया है।

जयनगर

ये स्टेशन बिहार के मधुबनी में स्थित है। यहां से नेपाल तक ट्रेनें जाती हैं। यहां से अंतर भारत-नेपाल ट्रेन चलती है। इस ट्रेन से आप आसानी से नेपाल जा सकते हैं।

सिंगाबाद

यह स्टेशन पश्चिम बंगाल के मालदा जिले में स्थित है। यहां से बांग्लादेश के लिए ट्रेनें उपलब्ध हैं। यह ट्रेन रोहनपुर होते हुए बांग्लादेश जाती है।

जोगबनी

जोगबनी - यह बिहार का एक जिला है। यह स्टेशन नेपाल के इतना करीब है कि आपको वहां पहुंचने के लिए ट्रेन लेने की भी जरूरत नहीं है। भारत से पैदल चलकर नेपाल पहुंचा जा सकता है।

पेट्रापोल

पेट्रापोल स्टेशन से भी आप बांग्लादेश जा सकते हैं। इस स्टेशन का उपयोग मुख्य रूप से दोनों देशों के बीच आयात और निर्यात के लिए किया जाता है।

राधिकापुर

इस स्टेशन का उपयोग माल ढुलाई के लिए किया जाता है। इसे जीरो पॉइंट रेलवे स्टेशन के नाम से भी जाना जाता है। यह स्टेशन पश्चिम बंगाल में स्थित है, जहां से बांग्लादेश के लिए ट्रेनें रवाना होती हैं।

हाईकोर्ट ने कहा- अस्पतालों में जरूरी सुविधाएं उपलब्ध कराएं

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बिलासपुर

हाईकोर्ट ने सरकारी अस्पतालों में संसाधनों की कमी से नवजात शिशुओं की मौत के मामले में सुनवाई करते हुए प्रदेश के अतिरिक्त मुख्य सचिव को निर्देशित किया है कि सभी अस्पतालों में जरूरी सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएं। इसके साथ ही यह जनहित याचिका निराकृत हो गई है।

सरकारी अस्पतालों में संसाधन न होने से बच्चों की मौत के प्रकरण में चीफ जस्टिस रमेश सिन्हा की डीबी में सुनवाई चल रही थी। समाचार पत्र में इनक्यूबेटर में एक साथ 5 बच्चे रखे जाने की फोटो आने पर कोर्ट ने सरकार को यह बताने को कहा था कि, तस्वीर कहां से ली गई। मामले में दुर्ग कलेक्टर की ओर से जांच रिपोर्ट प्रस्तुत की गई थी कि, संबंधित फोटो जो मीडिया में आई है वह सरकारी अस्पताल की नहीं है। साथ ही जिस निजी अस्पताल की है उससे पूरी जानकारी ली जा रही है। पिछली बार कोर्ट ने दुर्ग जिला कलेक्टर को मामले की जांच कर शपथपत्र प्रस्तुत करने निर्देश दिया था।

अस्पतालों में व्यवस्था बनाने की पहल शुरू

ध्यान रहे कि हाईकोर्ट ने प्रदेश के सरकारी अस्पतालों में ऑक्सीजन और वैंटिलेटर के अभाव में 5 साल में 40 हजार बच्चों की मौत की खबर पर संज्ञान लेकर सुनवाई शुरू की थी। हाईकोर्ट की डीबी ने सुनवाई के दौरान कहा था कि, शासन की रिपोर्ट से स्पष्ट है कि, सरकारी अस्पतालों में बेड और वैंटिलेटर की कमी है। बुधवार को हुई सुनवाई में शासन की ओर से महाधिवक्ता ने बताया कि, अस्पतालों में व्यवस्था बनाने की पहल शुरू की गई है। चीफ जस्टिस ने प्रदेश के अतिरिक्त मुख्य सचिव को निर्देशित करते हुए यह कहा कि, जितने भी सरकारी अस्पताल हैं वहां आवश्यक सुविधाएं और संसाधन मुहैया कराया जाना सुनिश्चित किया जाए। इस आशय के निर्देश के साथ ही हाईकोर्ट ने यह जनहित याचिका निराकृत कर दी है।

शिशु मृत्यु और मातृ स्वास्थ्य की गंभीर स्थिति

ध्यान रहे कि पहले हुई सुनवाई में कोर्ट ने कहा था कि उल्लेखित आंकड़ों से प्रदेश में शिशु मृत्यु और मातृ स्वास्थ्य की गंभीर स्थिति का पता चलता है। विशेषकर यह नवजात शिशुओं और माताओं की मौतों की उच्च संख्या को उजागर करता है। आंकड़ों के अनुसार पिछले पांच वर्षों में हजारों बच्चे, शून्य से 5 आयु वर्ग के जीवित नहीं रह सके हैं। महत्वपूर्ण यह भी है कि, इनमें से लगभग 25 हजार बच्चे जन्म के 28 दिनों तक भी जीवित नहीं रह पाए। इसके लिए सरकार को व्यवस्था बनानी होगी।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

नैनीताल में हाईवे से सटा जंगल आग से धधका, कैमरे में कैद हुआ खौफनाक मंजर

मुंबई हलचल/संवाददाता

गरमपानी। नैनीताल जिले में जंगलों में आग धधकने का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा। एक के बाद एक जंगल आग से खाक होते जा रहे हैं। अल्मोड़ा-हल्द्वानी हाईवे से सटे थुआ के जंगल में भीषण आग धधकने से बेशकिमती वन संपदा राख हो गई। जंगल से देर शाम तक धुएं का गुबार उठता रहा। जंगलों को आग से नुकसान होने से मवेशियों के लिए चार पत्ती का भी संकट खड़ा हो गया है। बुधवार को हाईवे पर चमड़ियां क्षेत्र से सटे थुआ के जंगल में दोपहर भीषण आग धधक उठी। कुछ ही देर में आग ने विकराल रूप ले लिया। जंगल में आग के बड़े हिस्से में फैलने से दूर-दूर तक लपटें दिखाई देने लगी।

आसपास के गांवों के बाशिंदे भी दहशत में आ गए, हालांकि आग आबादी के नजदीक तक नहीं पहुंची। लगातार जंगलों को आग से नुकसान पहुंचने से पशुपालक भी परेशान हो चुके हैं। मवेशियों को जंगलों में छोड़ने में भी खतरा बना हुआ है। चारा पत्ती तक जलकर नष्ट हो चुकी है। ग्रामीणों के अनुसार जंगलों के आग की भेंट चढ़ने से गांवों में स्थित जल स्त्रोत तक सूखने के कगार पर पहुंच गए हैं। जंगलों को आग से बचाने के लिए ठोस उपाय न किए जाने से गांवों के वाशिंदों में गहरा रोष भी व्याप्त है। क्षेत्रीय जन विकास संघर्ष समिति के शिवराज सिंह बिष्ट, बिशन जंतवाल, मनीष तिवारी, फिरोज अहमद, राकेश जलाल, पुष्कर सिंह, पंकज भट्ट आदि ने जंगलों को बचाने कै लिए ठोस कदम उठाए जाने की मांग वन विभाग से की है।

ओखलकांडा के जंगल में लगी भीषण आग

ओखलकांडा विकासखंड की ग्राम सभा सुरंग के तोक मूरा के जंगद में बुधवार की दोपहर अचानक आग लग गई। आग से कई हेक्टेयर वन संपदा को नुकसान पहुंचा है। स्थानीय लोगों ने आग को आबादी क्षेत्र में आने से रोकने के लिए कड़ी मेहनत की। ग्रामीणों ने आग को आबादी में आने से रोका। क्षेत्र के पंकज सिंह, गोपाल सिंह ने बताया कि आग से जंगल के हरे पेड़ पौधे पूरी तरह से झुलस गए। उन्होंने कहा कि आग को बुझाने में परेशानियों का सामना करना पड़ा। उन्होंने वन विभाग से जंगल में गिरे पिरूल को हटाने की मांग की है। ताकि आग से पेड़-पौधों को नुकसान न हो सके।

अभी तक नहीं भूल पा रहे वो काली रात, एक पल को लगा कि आखिरी है ये सफर, इस तरह बची जान

उत्तरकाशी। गंगोत्री हाईवे पर गंगनानी के पास हुई बस दुर्घटना में जो तीर्थयात्री घायल हुए हैं, उनमें अधिकांश अभी भी बेहद डरे और सहमे हुए हैं। कुछ घायल तीर्थ यात्रियों ने जब अस्पताल पहुंचने पर आपबीती सुनाई तो उनके चेहरों से यह डर साफ झलक रहा था। रुद्रपुर निवासी घायल तीर्थयात्री कल्पना रावत ने बताया कि अचानक बस की रफ्तार बढ़ी और क्रैश बैरियर से टकराने की आवाज सुनाई दी। फिर बस खाई में जा गिरी। वह तो शुक्र है कि बस एक पेड़ पर अटक गई। अन्यथा किसी का भी बच पाना मुमकिन नहीं था। एक पल के लिए तो लगा था कि यह सफर हमारा आखिरी सफर है। बस में चीख-पुकार मची हुई थी। जो कम चोटिल थे, खिड़कियों के रास्ते बाहर निकल गए। इसी बस में सवार आठ वर्षीय प्रमिता ने कहा कि वह चालक के पीछे वाली सीट पर दादा ज्ञान सिंह के साथ बैठी थी और पीछे वाली सीट पर बैठी मां से मुड़कर बात कर रही थी। उतनी देर में बस खाई की ओर पलट गई। फिर खिड़की के रास्ते बाहर आए। इसी बस में 14 वर्षीय अंकिता बिष्ट भी सवार थी। खुशकिस्मती से अंकिता को खरोंच तक नहीं आई। घायल तीर्थ यात्रियों में शामिल हल्द्वानी निवासी रमेश चंद्र तिवारी कहते हैं कि उन्हें तो नई जिंदगी मिल गई, लेकिन चिंता इस बात की है कि पत्नी गंभीर घायल है। हल्दूचौड़ (हल्द्वानी) स्थित नित्यानंद आश्रम के स्वामी नाबा दास ने कहा कि उनके नेतृत्व में 70 तीर्थ यात्रियों का दल आया था। दो बस, एक कार और एक टैंपो ट्रेवलर भी शामिल था। जो बस दुर्घटनाग्रस्त हुई, उसमें चालक-परिचालक सहित 29 लोग सवार थे। हम सात जून को हल्द्वानी से चारधाम के लिए चले थे।

सांख्यिकी मंत्रालय ने मई माह के लिए जारी किया डाटा

खुदरा महंगाई दर मई में घटकर आ गई 4.75 फीसदी पर, लेकिन सब्जियां महंगी

मुंबई हलचल / नई दिल्ली

मई महीने में भी खुदरा महंगाई दर में गिरावट देखने को मिली है। सरकार ने जो डेटा जारी किया है उसके मुताबिक मई 2024 में खुदरा महंगाई दर घटकर 4.75 फीसदी पर आ गई है जो अप्रैल 2024 में 4.83 फीसदी रही थी। खाद्य महंगाई दर में मामूली कमी आई है और ये अप्रैल के 8.70 फीसदी के मुकाबले मई में 8.69 फीसदी पर आ गई है। हालांकि साग-सब्जियों और दाल की महंगाई अभी भी लोगों को सता रही है।

सांख्यिकी मंत्रालय ने मई महीने के लिए खुदरा महंगाई दर का डेटा जारी किया है। इस डेटा के मुताबिक मई में सीपीआई इंफ्लेशन घटकर 4.75 फीसदी पर आ गई है। हालांकि कई जानकार इसके 5 फीसदी से ज्यादा रहने का अनुमान जता रहे थे। महंगाई दर जस का तस बनी हुई है। खाद्य महंगाई दर मई में 8.69 फीसदी रही है जो अप्रैल में 8.70 फीसदी रही थी। मई 2023 में खुदरा महंगाई दर 4.31 फीसदी और खाद्य महंगाई दर 2.96 फीसदी रही थी।

- अप्रैल 2024 में 4 .83 फीसदी पर रही
- खाद्य महंगाई दर मई में 8 .69 फीसदी रही
- साग-सब्जियों की महंगाई दर 27 .33 फीसदी पर

साग-सब्जियों और दालों की महंगाई ने किया परेशान

मई महीने में साग-सब्जियों और दालों में महंगाई में तेजी बनी हुई है। साग-सब्जियों की महंगाई दर मई में 27.33 फीसदी रही है जो अप्रैल में 27.80 फीसदी रही थी। दालों की महंगाई दर में मई महीने में उछाल देखने को मिला है और ये 17.14 फीसदी रही है जो अप्रैल में 16.84 फीसदी रही थी। फलों की महंगाई दर 6.68 फीसदी रही है जो अप्रैल में 5.94 फीसदी रही थी।

अनाज की महंगाई दर बढ़ी

अनाज और उससे जुड़े प्रोडक्ट्स की महंगाई दर मई में 8.69 फीसदी रही है जो अप्रैल में 8.63 फीसदी रही थी। मसालों की महंगाई दर घटकर मई में 4.27 फीसदी पर आ गई है जो अप्रैल में 7.75 फीसदी रही थी। चीनी की महंगाई दर घटकर 5.70 फीसदी रही है जो अप्रैल में 6.73 फीसदी और अंडो की महंगाई दर 7.62 फीसदी रही है जो अप्रैल में 9.59 फीसदी रही थी।

अप्रैल में पांच प्रतिशत बढ़ा औद्योगिक उत्पादन

देश का औद्योगिक उत्पादन (आईआईपी) अप्रैल में विनिर्माण क्षेत्र के सुस्त प्रदर्शन की वजह से तीन माह के निचले स्तर पांच प्रतिशत पर आ गया। हालांकि, इस दौरान खनन और बिजली क्षेत्र का प्रदर्शन अच्छा रहा। बुधवार को जारी आधिकारिक आंकड़ों के मुताबिक, औद्योगिक गतिविधियों का सूचक माना जाने वाला औद्योगिक उत्पादन सूचकांक अप्रैल महीने में पांच प्रतिशत की दर से बढ़ा जबकि एक साल पहले की समान अवधि में यह 4.6 प्रतिशत बढ़ा था।

सूचकांक मासिक आधार पर घटा

औद्योगिक उत्पादन वृद्धि मार्च, 2024 में 5.4 प्रतिशत रही थी जबकि फरवरी में यह 5.6 प्रतिशत के स्तर पर थी। इस तरह अप्रैल में यह सूचकांक मासिक आधार पर घटा है। आईआईपी का पिछला निचला स्तर जनवरी, 2024 में 4.2 प्रतिशत रहा था। वित्त वर्ष 2023-24 में आईआईपी वृद्धि दर 5.9 प्रतिशत रही, जबकि 2022-23 में यह 5.2 प्रतिशत थी।

विनिर्माण क्षेत्र का उत्पादन सुस्त पड़ा

राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय की तरफ से जारी आंकड़ों से पता चलता है कि विनिर्माण क्षेत्र का उत्पादन सुस्त पड़कर अप्रैल, 2024 में 3.9 प्रतिशत की दर से बढ़ा।

बिजली उत्पादन की वृद्धि दर बढ़ी

आलोच्य अवधि में बिजली उत्पादन की वृद्धि दर 10.2 प्रतिशत रही जबकि अप्रैल, 2023 में इसमें 1.1 प्रतिशत की गिरावट आई थी। उपयोग के आधार पर वर्गीकरण के मुताबिक, पूंजीगत उत्पाद खंड की वृद्धि दर अप्रैल, 2024 में घटकर 3.1 प्रतिशत रह गई। जबकि एक साल पहले इसी अवधि में यह 4.4 प्रतिशत थी। इस साल अप्रैल में टिकाऊ उपभोक्ता वस्तुओं का उत्पादन 9.8 प्रतिशत बढ़ा, जबकि अप्रैल, 2023 में इसमें 2.3 प्रतिशत की गिरावट आई थी।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

भूलकर भी ना दें अपने बच्चों को ये दवाइयां

बच्चों के बीमार पड़ने पर अक्सर मां-बाप उन्हें डॉक्टर के पास लेकर जाते हैं। वहीं कुछ ऐसे भी जो खुद ही डॉक्टर बन जाते है और अपने दिमाग से इलाज करना शुरू कर देते हैं। यह तरीका कभी-कभी बच्चों के लिए परेशानी का कारण भी बन सकता है। खासकर छोटे बच्चों को बिना डॉक्टर की सलाह लिए उन्हें कोई भी दवाई नहीं देनी चाहिए।

एंटीथिस्टेमाइंस

नींद ना आने पर लोग इस दवाई का सेवन करते हैं। अक्सर जब बच्चों को नींद नहीं आती तो ऐसे में कुछ मां-बाप यह दवाई अपने बच्चों को देते हैं। ऐसा बिल्कुल भी ना करें क्योंकि इस दवाई से बच्चों के मानसिक संतुलन पर असर पड़ता है।

उल्टी की दवा

अक्सर बच्चे अपनी मां का दूध पीते समय तुरंत उल्टी कर देते हैं। ऐसा इसलिए होता है क्योंकि उन्हें इस बात का अंदाजा नहीं होता कि उन्हें दूध कितनी मात्रा में पीना चाहिए। ऐसे में लोग बच्चों को उल्टी की दवाई देते है, जो कि उन्हें नहीं देनी चाहिए। दवाई की जगह डॉक्टर से संपर्क करें।

एंटीबायटिक दवाइयां

मौसम के बदलाव से बच्चों को सर्दी जुकाम हो जाता है तो ऐसे में कुछ लोग बच्चों को एंटीबायटिक दवाइयां देने लगते हैं, जो बच्चों की प्रतिरोधक क्षमता को कम करता है।

एस्पिरिन

अपने बच्चे को एस्पिरिन की दवाई कभी भूलकर भी न दें क्योंकि डॉक्टर 20 साल से कम उम्र के बच्चों को एस्पिरिन देने की सलाह नहीं देते हैं। यह दवाई बच्चों के किडनी और लिवर पर बुरा प्रभाव डालती हैं।

सिर्फ 15 मिनट में होंगे ब्लैकहेड्स छूमंतर!

ब्लैक हेड्स की समस्या एक ऐसी समस्या है जिससे चेहरा भद्दा सा लगने लगता है। कुछ लोग इनको दबाकर निकालने की गलती कर देते है जिससे त्वचा पर निशान पड़ जाते है। ऐसे में आप कुछ घरेलू तरीके अपना कर ब्लैक हेड्स की समस्या को दूर कर सकते हैं। आज हम आपको कुछ ऐसे ही नुस्खे बताएंगे, जिनकी मदद से आप 15 मिनट में ब्लैक हेड्स की समस्या से छुटकारा पा सकते है।

1. बेकिंग सोडा : 3 चम्मच पानी में 3 चम्मच बेकिंग सोडा मिलाएं और त्वचा पर लगाए। थोड़ी देर बाद इसे हल्के गर्म पानी से साफ कर दें।

2. नींबू: दिन में 3 बार ब्लैकहेड्स जगह पर नींबू का रस निकाल कर लगाएं। ब्लैकहेड्स एकदम साफ हो जाएंगे।

3. ओट्स और गुलाबजल: ओट्स और गुलाबजल को मिलाकर मास्क बनाए और 15 मिनट के लिए चेहरे पर लगाएं।

4. कच्चा आलू: कच्चे आलू की स्लाइस को लेकर ब्लैकहेड्स जगह पर रगड़े और कुछ देर तक मसाज करते रहे। त्वचा साफ हो जाएगी।

5. अंगूर : अंगूर को मैश करके पेस्ट बना लें और उसे ब्लैक हेड्स के ऊपर लगाएं और 15 मिनट तक सूखने दें। इसके बाद गुनगुनें पानी से चेहरा धो लें।

नैचुरल कंडीशनर से करें बालों का रूखापन दूर!

सर्दियां में बाल रूखे, बेजान और चिपचिपे से हो जाते है साथ ही इनकी चमक कहीं खो सी जाती है। इन सब समस्याओं को दूर करने के लिए मार्किट में बहुत से कंडीशनर, शैंपू जैसे उत्पाद उपलब्ध होते है लेकिन ये उत्पाद कई लोगों को तो सूट कर जाते है परन्तु कुछ लोगों पर इनके बहुत से साइड-इफैक्ट होते है क्योंकि इनमें बहुत से कैमिकल्स मिले होते है। ऐसी स्थिति में घरेलू तरीके से इन समस्याओं को दूर करना बेहतर है। किचन में मौजूद चीजों के इस्तेमाल से आप घर पर ही नैचुरल तरीके से कंडीशनर बना सकते है और अपने बालों को चमका सकते है। इनसे किसी तरह का नुकसान नहीं बल्कि फायदा ही फायदा होता है।

1. चायपत्ती: चाय की पत्ती को उबालकर उसमें नींबू का रस मिला लें। शैंपू करने के बाद इस कंडीशनर का इस्तेमाल करें। इससे बालों की जडें मजबूत होती हैं और बाल चमकदार बनते है।

2. शहद: आप शहद को पानी में मिलाकर लगा सकते है। यह बालों में कंडीशनर का काम करता है। इससे रूखे बालों में नमी आती है।

3. अंडा: 1 अण्डे को फेंट कर उसमें एक चम्मच नारियाल या जैतून का तेल और शहद मिलाकर पेस्ट बना लें। इससे बालों की अच्छी तरह से मालिश करें। इसके बाद शैंपू कर लें।

4. मेहंदी: चिपचिपे और तैलिए बालों के लिए हिना सबसे अच्छा कंडीशनर है। इसके लिए 1 कप हिना में आधी कटोरी दही, दो अण्डे और नींबू का रस मिलाकर पेस्ट बना लें। इसे बालों पर 1 घंटे के लिए लगा रहने दें फिर बाल धो लें।

'ना' में छिपा खूबसूरती का खजाना

खूबसूरत दिखना हर किसी की चाहत होती है और खूबसूरत दिखने के लिए हम तरह-तरह के जतन करते हैं। महंगी क्रीम या फिर अन्य प्रकार के सौंदर्य प्रसाधनों का प्रयोग करते हैं लेकिन ये बात बहुत से शोधों में सिद्ध हो चुकी है कि हम जो भी खाते हैं उसका हमारी त्वचा पर बहुत गहरा प्रभाव पड़ता है। अच्छा खाने से ना सिर्फ हमारी समस्याओं का समाधान होता है जैसे पिम्पल्स, रैशेज, ब्लैक हेड्स इत्यादि। इतना ही नहीं अच्छा खा के हम अपने चेहरे के निखार को भी बढ़ सकते हैं। त्वचा विशेषज्ञ डॉ मेघा शाह (ब्यूटी एंड कर्ल्स क्लिनिक) का कहना है कि खूबसूरत लगने के लिए जितना जरूरी है अच्छा खाना उतना ही जरूरी है वैसे खाद्य पदार्थों से दूर रहना जिनके वजह से हमारी त्वचा को नुकसान होता है। आइए उनसे जाने कौन से हैं वो खाद्य पदार्थ जिससे दूरी बना कर आप खूबसूरत नजर आएंगे वो भी बिना किसी मशक्कत के।

चीनी

क्या आप जानते हैं कि चीनी से दूर रह कर आप बहुत सारी बीमारियों से बच सकते हैं इतना ही नहीं ये भी सच है कि चीनी हमारी त्वचा के लिए भी अच्छी नहीं होती है लेकिन चीनी से दूरी बनाने का ये मतलब हरगिज नहीं है कि आप शुगर फ्री से दोस्ती कर लें। इस बात को जान लें कि शुगर फ्री बहुत सी स्वास्थ्य समस्याओं को देता है। हॉलीवुड और बॉलीवुड के कई सितारे और डॉक्टर्स भी इस बात की सलाह देते हैं कि किस प्रकार बस चीनी से दुरी बनाकर आप अपने निखार को बढ़ा सकते हैं।

डिब्बाबंद खाना

यह बात कई शोधों में सिद्ध हो चुकी है कि डिब्बाबंद और केमिकल से युक्त खाद्य पदार्थ हमारी सेहत पर बहुत ही घातक प्रभाव डालते हैं। लेकिन आजकल हमारी जिन्दगी इतनी व्यस्त हो चुकी है कि ये हमारी लाइफस्टाइल का एक अंग बन गए है। इसके बाद भी हम इस बात से इनकार नहीं कर सकते हैं कि हम जो भी खाते हैं उसका हमारी त्वचा और हमारे स्वास्थ्य पर बहुत गहरा प्रभाव पड़ता है। इसलिए हमारी यही सलाह है कि आप अपनी डाइट का काम से काम 80 प्रतिशत भाग नैचुरल चीजों का ही रखें, क्योंकि हम जैसा खाते हैं वैसे दिखते हैं।

मैदा

ये जानकार बहुत से लोगों को बहुत दुःख होता है कि फेवरेट चीजे जिनके बिना शायद उनकी जिन्दगी में स्वाद ही नहीं रहेगा जैसे नूडल्स, पास्ता, पिज्जा, मोमोज आदि जो की मैदे से ही होती हैं वो स्किन के लिए बिल्कुल भी अच्छे नहीं होते। इसके अलावा वैसे खाद्य पदार्थ ग्लाइसेमिक इंडेक्स बहुत ही हाई होता है वो भी हमारी त्वचा की सेहत के लिए अच्छे नहीं होते हैं।

नमक

क्या आपने भी भी सुबह उठने के बाद अपनी आंखों के आस-पास सूजन महसूस की है अगर हां तो यह नमक के अधिक सेवन की वजह से भी हो सकता है। आंखों के आसपास हमें अधिक नमक का असर जल्दी नजर इसलिए आ जाता है, क्योंकि वह त्वचा बहुत ही ज्यादा पतली और नाजुक होती है लेकिन इससे ही आप अंदाजा लगा सकते हैं कि यह हमारी त्वचा के लिए कितना हानिकारक है।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

पीएम मोदी को मुस्लिमों वाली टोपी में देखना चाहते हैं नसीरुद्दीन

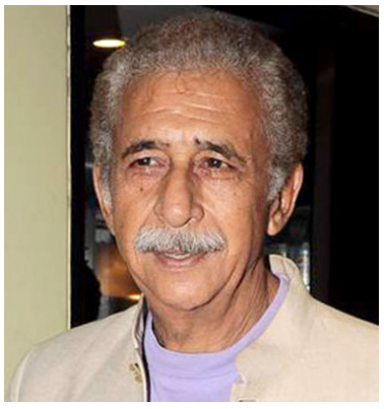

नसीरुद्दीन शाह अपने विवादित बयानों को लेकर अक्सर सुर्खियों में रहते हैं। एक बार फिर ऐसा ही हो रहा है। उन्होंने एक इंटरव्यू में हाल ही में हुए लोकसभा चुनाव पर बातचीत की और पीएम नरेंद्र मोदी के लिए काफी कुछ कहा। आइए बताते हैं कि नसीरुद्दीन शाह ने क्या कुछ कहा। नसीरुद्दीन शाह ने कहा कि अगर पीएम मोदी मुस्लिमों को यह समझा पाएं कि वह उनसे नफरत नहीं करते तो बहुत मदद होगी। उन्होंने पुरानी घटना को याद करते हुए कहा कि मोदी ने मौलवियों की दी हुई जालीदार टोपी नहीं पहनी थी। यह बात वह बिल्कुल भी भूल नहीं सकते हैं। अगर पीएम मोदी टोपी पहन लेते तो यह जेस्चर होता कि हम अलग नहीं है। वह मुस्लियों को समझ पाएं तो बहुत मददगार होगा। टोपी पहनना यही जेस्चर कहलाएगा कि मुस्लिम भी इस देश के नागरिक हैं और वह इससे यकीन दिला पाएंगे कि मुस्लिमों से नफरत नहीं करते हैं। नसीरुद्दीन शाह से जब पूछा गया कि 10 साल में बीजेपी का सबसे खराब प्रदर्शन रहा और सरकार बनाने के लिए उन्हें गठबंधन की जरूरत पड़ेगी तो उनके दिमाग में क्या आया। इस पर नसीरुद्दीन शाह ने कहा कि सबसे पहले तो चैन मिला। उन्होंने आगे कहा, फिर मैंने खुद को बोला कि यह हारनेवालों, जीतनेवालों, हिंदू, मुस्लिम, सरकार और हम सबके लिए अपने आत्मनिरीक्षण करने का वक्त है।

ABVM AGRAWAL JATIYA KOSH'S GHANSHYAMDAS JALAN COLLEGE
Estd. : 2011

G. D. JALAN COLLEGE

Affiliated to University of Mumbai & M.S. Board (MARWARI MINORITY)

Upper Govind Nagar, Malad (East)

NAAC accredited with B+ ISO 9001: 2015 Certified College

Admissions Open

The following programs are as per National Education Policy (NEP 2020)

B.Com.: : Bachelor of Commerce

B.Com.: : Bachelor of Commerce (Management Studies)

B.A.F.: : Bachelor of Commerce (Accounting and Finance)

B.Sc.: : Bachelor of Science

B.Sc.I.T.: : Bachelor of Science (Information Technology)

College Code : MU-0527

Contact Number: 9321558419/ 9321674124